

Noise barriers installed on Bullet Train route

These barriers will absorb and distribute sound generated by the train and its wheels



Over 1.75 lakh noise barriers installed on the Mumbai-A'bad route

Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com

TWEETS @ahmedabadmirror

More than 1.75 lakh noise barriers have been installed in Gujarat on the bullet train route. The barriers have been installed to mitigate the noise which will be generated by the train and civil structure during operations.

They will absorb and distribute the aerodynamic sound generated by the train and the sound which will be generated by the lower part of

the train, primarily by the wheels running on the tracks.

The noise barriers have been installed over a stretch of 87.5 km. For a stretch of 1 km, as many as 2,000 noise barriers have been installed on either side of the viaduct.

Three precast factories for this modular element have been established in Surat, Anand and Ahmedabad for the manufacturing of noise barriers. These are designed in such a way that they will not obstruct the view for the passengers enjoying the train ride.

1.75L NOISE BARRIERS INSTALLED ALONG BULLET TRAIN VIADUCT, MORE TO COME

Tens of thousands of noise barriers are being installed along the entire Mumbai-Ahmedabad Bullet Train corridor. The barriers will reduce noise generated by trains and related infrastructure during operations. **Manthan K Mehta reports**

THE PROJECT

465km Total length of bullet train corridor

340km in Gujarat

125km in Maharashtra

PROGRESS STATUS

87.5km Viaduct length on which placing of noise barriers is complete. All of it is in Gujarat

1.75L Number of barriers set up till now

2,000 Number of barriers to be installed on either side for every km of the viaduct



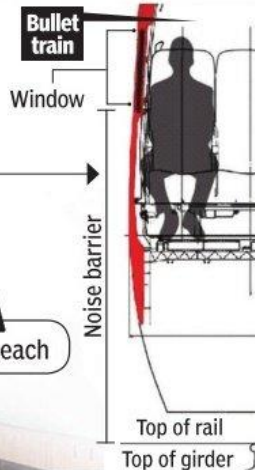
THE BARRIERS

Constructed from concrete panels

2 metres Height of each panel from rail level

1 metre Width of each

840kg Weight of each



ALL FACTORIES IN GUJARAT

➤ To facilitate the large-scale production of the barriers, three precast factories have been established in Surat, Anand, and Ahmedabad



➤ The noise barriers have been designed to mitigate sound generated by both trains and related civil structures during operations

“ These barriers work by reflecting and dispersing aerodynamic noise generated by a train, as well as the sound produced by wheels on tracks. They are engineered to reduce noise without obstructing the view for passengers — **An NHSRCL officer**



1.75L noise barriers along Bullet viaduct

FPJ News Service

MUMBAI

More than 1.75 lakh noise barrier units are being installed along the viaduct of Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) corridor, or the Bullet train. These barriers are meant to mitigate the noise generated by the train and civil operations. Work on a stretch of 87.5 km is over, an official said.

The barriers are concrete panels 2mt in height and 1mt wide, with each panel weighing nearly 830-840 kg. Each kilometre gets nearly 2,000 such units. The barriers will not only reflect and distribute the aerodynamic noise but also suppress noise from the wheels running on the tracks. In residential areas, the barriers will rise to 3mt, with the upper 1mt made out of translucent polycarbonate to allow for the scenic view.

“Six precast factories have been set up in Ahmedabad, Surat, Vadodara, and Anand,” the official added.

एक किमी क्षेत्र में दोनों ओर लगभग 2000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन वायडक्ट पर गुजरात में 87.5 किमी क्षेत्र में लगाए 1.75 लाख नॉइज बैरियर्स



मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन वायडक्ट पर लगाए नॉइज बैरियर्स



सूरत में प्री-कास्ट नॉइज बैरियर्स फैक्ट्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर नॉइज बैरियर्स लगाने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। गुजरात में अब तक 87.5 किलोमीटर क्षेत्र में 1,75,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं।

एक किलोमीटर की दूरी में वायडक्ट के दोनों ओर 2000 नॉइज

बैरियर्स लगाए गए हैं। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि बुलेट ट्रेन परिचालन के दौरान आवाज को कम करने के लिए नई तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

बुलेट ट्रेन रूट पर नॉइज बैरियर्स को परिचालन के दौरान ट्रेन और सिविल संरचना से उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने के लिए वायडक्ट के दोनों ओर लगाया जा रहा है।

नॉइज बैरियर्स रेल स्तर से 2 मीटर ऊंचे और 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल होते हैं। प्रत्येक नॉइज बैरियर का वजन लगभग 830-840 किलोग्राम होता है। इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ये ट्रेन की सवारी कर रहे यात्रियों के दृश्य में बाधा नहीं डालेंगे।

आवासीय और शहरी क्षेत्रों से गुजरने वाले वायडक्ट में 3 मीटर ऊंचे व लंबे नॉइज बैरियर्स लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के

अलावा, अतिरिक्त 1 मीटर के नॉइज बैरियर्स 'पॉलीकार्बोनेट' और पारदर्शी होंगे। प्री-कास्ट नॉइज बैरियर्स के लिए छह फैक्ट्रीज स्थापित की गई हैं। इसमें सूरत में एक, आणंद में एक, वडोदरा में एक और अहमदाबाद में तीन फैक्ट्री हैं। गौरतलब है कि, यह कार्य बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए गुजरात में चल रहा है जबकि महाराष्ट्र में अभी पियर्स और वायडक्ट का कार्य किया जा रहा है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

गुजरात के हिस्से में लगाए, 2 मीटर ऊंचा, 1 मीटर चौड़ा कंक्रीट पैनल

शोर को कम करने 1,75,000 नॉइज बैरियर्स लगाए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर ट्रेन के शोर को कम करने के लिए 1,75,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए गए। यह बैरियर अब तक गुजरात के हिस्से के 87.5 किलोमीटर क्षेत्र में लगाए जा चुके हैं। एक किलोमीटर की दूरी में वायाडक्ट के दोनों ओर 2000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। इस कॉरिडोर पर नॉइज बैरियर्स लगाने का कार्य प्रगति पर है।

इन नॉइज बैरियर्स को परिचालन के दौरान ट्रेन और सिविल निर्माण से उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने के लिए वायाडक्ट के दोनों ओर लगाया जा रहा है।



आणंद बुलेट ट्रेन स्टेशन के पास लगाए गए नॉइज बैरियर्स।

यह रेल स्तर से 2 मीटर ऊंचे और 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल होते हैं। इसका वजन लगभग 830-840 किलोग्राम होता है। यह ट्रेन से उत्पन्न वायुगतिकीय ध्वनि और वह

ध्वनि जो ट्रेन के निचले हिस्से, मुख्य रूप से पटरियों पर चलने वाले पहियों से उत्पन्न होती है, उसे परावर्तित एवं वितरित करने में सहयोग प्रदान करते हैं।

6 फैक्ट्रियों में काम: प्री-कास्ट नॉइज बैरियर्स के लिए गुजरात में 6 फैक्ट्रियों में कार्य चल रहा है। इनमें 3 अहमदाबाद वहीं वडोदरा, सूरत व आणंद में एक-एक फैक्ट्री हैं।

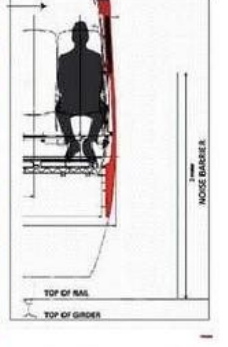
यात्रियों के लिए बाधा नहीं होंगे

इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ये ट्रेन की सवारी का आनंद ले रहे यात्रियों के दृश्य में बाधा नहीं डालेंगे। आवासीय और शहरी क्षेत्रों से गुजरने वाले वायाडक्ट में 3 मीटर की ऊंची-लंबे नॉइज बैरियर्स लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अतिरिक्त 1 मीटर के ये बैरियर्स पॉलीकार्बोनेट और पारदर्शी होंगे।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • 300 किमी रूट पर पिलर तैयार, 87 किमी में लगे नॉइज बैरियर्स वायाडक्ट पर प्रति किमी 2 हजार नॉइज बैरियर्स लगा रहे, अब तक 1.75 लाख से अधिक लगाए गए

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में अब तक 87.5 किमी रूट में 1,75,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं। एक किमी में वायाडक्ट के दोनों ओर 2000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। नॉइज बैरियर्स के निर्माण के लिए सूरत, आणंद और अहमदाबाद में प्रीकास्ट फैक्ट्रीज स्थापित की गई हैं। ये नॉइज बैरियर्स ट्रेन और सिविल संरचना से उत्पन्न होने वाले शोर को कम करेंगे। नॉइज बैरियर्स रेल लेवल से 2 मीटर ऊंचे और 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल होते हैं। एक नॉइज बैरियर का वजन लगभग 830-840 किमी होता है।



■ 300 किमी से ज्यादा रूट पर पिलर तैयार हो चुके हैं | नॉइज बैरियर्स ट्रेन द्वारा उत्पन्न हवा की ध्वनि और ट्रेन के निचले हिस्से से आने वाली ध्वनि को परावर्तित एवं वितरित करने में सहयोग प्रदान करते हैं। इन्हें इस तरह से बनाया गया है कि ये ट्रेन की सवारी का आनंद ले रहे यात्रियों के दृश्य में बाधा नहीं डालेंगे। आवासीय और शहरी क्षेत्रों से गुजरने वाले वायाडक्ट में 3 मीटर की ऊंची/लंबे नॉइज बैरियर्स लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा, अतिरिक्त 1 मीटर के नॉइज बैरियर्स 'पॉलीकार्बोनेट के पारदर्शी होंगे।

बुलेट ट्रेन के रूट पर लगे 1,75,000 नॉइज़ बैरियर्स

AI Image

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई: देश की पहले बुलेट ट्रेन के मार्ग के समीप रहने वाले लोगों को ध्वनि प्रदूषण की समस्या नहीं होगी। स्थानीय नागरिकों को ट्रेन की वजह से किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए रेलवे ट्रेन के मार्ग पर नॉइज़ बैरियर्स लगाने का काम कर रही है। अब तक 87.5 किमी के मार्ग पर नॉइज़ बैरियर्स लगाने का काम पूरा किया जा चुका है। मार्ग पर 1,75,000 से अधिक नॉइज़ बैरियर्स लगाए जा चुके हैं।



एक किमी की दूरी पर वायाडक्ट के दोनों ओर 2000 नॉइज़ बैरियर्स लगाए गए हैं। नॉइज़ बैरियर्स 2 मीटर ऊंचे और 1 मीटर चौड़े कॉन्क्रीट पैनल के होते हैं। प्रत्येक नॉइज़ बैरियर का वजन करीब 830-840 किलो होता है। मुंबई से अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलाए जाने के लिए रूट का निर्माण हो रहा है।

बुलेट ट्रेन से नहीं होगा शोर

लगाए गए 1,75,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स

■ मुंबई (सं). मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर नॉइज बैरियर्स लगाए जा रहे हैं. मिली जानकारी के अनुसार अब तक 87.5 किलोमीटर क्षेत्र में नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं. गुजरात में 1,75,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं. यह बैरियर्स एक किलोमीटर की दूरी में वायाडक्ट के दोनों

ओर 2000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं. नॉइज बैरियर्स के निर्माण के लिए सूरत, आणंद और अहमदाबाद में इस मॉड्यूलर तत्व के लिए तीन प्रीकास्ट फैक्ट्रीज स्थापित किए गए हैं.

87.5 किमी. क्षेत्र में लगाए जा चुके नॉइज बैरियर्स **830-840** किलोग्राम होता है नॉइज बैरियर का वजन



वायाडक्ट के दोनों ओर लगाए जा रहे नॉइज बैरियर्स

नॉइज बैरियर्स को परिचालन के दौरान ट्रेन और सिविल संरचना से उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने हेतु वायाडक्ट के दोनों ओर लगाया जा रहा है. बता दें कि नॉइज बैरियर्स रेल स्तर से 2 मीटर ऊंचे और 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल होते हैं. प्रत्येक नॉइज बैरियर का वजन लगभग 830-840 किलोग्राम होता है. यह ट्रेन द्वारा उत्पन्न ध्वनि और वह ध्वनि जो ट्रेन के निचले हिस्से, मुख्य रूप से पटरियों पर चलने वाले पहियों द्वारा उत्पन्न होती है, उसे परावर्तित एवं वितरित करने में सहयोग प्रदान करते हैं.



यात्रियों को बाहर के दृश्य देखने में नहीं होगी बाधा



इन्हें इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ये ट्रेन की सवारी का आनंद ले रहे यात्रियों के दृश्य में बाधा नहीं डालेंगे. आवासीय और शहरी क्षेत्रों से गुजरने वाले वायाडक्ट में 3 मीटर की ऊंची/लंबे नॉइज बैरियर्स लगाए जाएंगे. 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा, अतिरिक्त 1 मीटर के नॉइज बैरियर्स 'पॉलीकार्बोनेट' और पारदर्शी होंगे.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • 300 किमी रूट पर पिलर तैयार, 87 किमी में लगे नॉइज बैरियर्स वायाडक्ट पर प्रति किमी 2 हजार नॉइज बैरियर्स लगा रहे, अब तक 1.75 लाख से अधिक लगाए गए

भास्कर न्यूज़ | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में अब तक 87.5 किमी रूट में 1,75,000 से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं। एक किमी में वायाडक्ट के दोनों ओर 2000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। नॉइज बैरियर्स के निर्माण के लिए सूरत, आणंद और अहमदाबाद में प्रीकास्ट फैक्ट्रीज स्थापित की गई हैं। ये नॉइज बैरियर्स ट्रेन और सिविल संरचना से उत्पन्न होने वाले शोर को कम करेंगे। नॉइज बैरियर्स रेल लेवल से 2 मीटर ऊंचे और 1 मीटर चौड़े कंक्रीट पैनल होते हैं। एक नॉइज बैरियर का वजन लगभग 830-840 किमी होता है।



▪ 300 किमी से ज्यादा रूट पर पिलर तैयार हो चुके हैं | नॉइज बैरियर्स ट्रेन द्वारा उत्पन्न हवा की ध्वनि और ट्रेन के निचले हिस्से से आने वाली ध्वनि को परावर्तित एवं वितरित करने में सहयोग प्रदान करते हैं। इन्हें इस तरह से बनाया गया है कि ये ट्रेन की सवारी का आनंद ले रहे यात्रियों के दृश्य में बाधा नहीं डालेंगे। आवासीय और शहरी क्षेत्रों से गुजरने वाले वायाडक्ट में 3 मीटर की ऊंची/लंबे नॉइज बैरियर्स लगाए जाएंगे। 2 मीटर कंक्रीट पैनल के अलावा, अतिरिक्त 1 मीटर के नॉइज बैरियर्स 'पॉलीकार्बोनेट के पारदर्शी होंगे।

Bullet train project

Installation of noise barriers underway

NEW DELHI, Sept 10 (ANI)

IN A significant development, National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) which is overseeing the ambitious Mumbai-Ahmedabad bullet train project, on Tuesday said that the installation of noise barriers is underway.

These noise barriers are installed to mitigate the noise that will be generated by the train and civil structure during operations. As of September 10, the noise barriers have been installed over a stretch of 87.5 km with more than 1,75,000 noise

barriers having been installed in Gujarat, said a press release from NHSRCL. For a stretch of 1 km, around 2000 noise barriers are installed on either side of the viaduct while three precast factories for manufacturing of noise barriers have been established in Surat, Anand and Ahmedabad. The press release said, "For a stretch of 1 km, 2000 number of noise barriers are installed on either side of the viaduct. Three precast factories for this modular element have been established in Surat, Anand and Ahmedabad for the manufacturing of noise barriers."

Construction of noise barrier along 87.5 km soundproof stretch of bullet train route

बुलेट ट्रेनच्या मार्गावर ध्वनिरोधक ८७.५ किलोमीटरच्या पट्ट्यात नॉईस बॅरियरची उभारणी

मनोर, ता. १० : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या आवाजामुळे होणारे ध्वनिप्रदूषण रोखण्यासाठी या कॉरिडोरच्या मार्गावर ध्वनिरोधक (नॉईस बॅरियर) बसवण्यात येणार आहेत. या मार्गावर आतापर्यंत ८७.५ किलोमीटरच्या पट्ट्यात नॉईस बॅरियर बसवण्यात आले आहेत. दुसरीकडे गुजरात राज्याच्या हद्दीत या मार्गावर एक लाख ७५ हजारपेक्षा अधिक ध्वनिरोधक बसवण्यात आले आहेत. एका किलोमीटर लांबीच्या विस्तारादरम्यान व्हायाडक्टच्या दोन्ही बाजूला दोन हजार ध्वनिरोधक बसवण्यात आले आहेत.

ध्वनिरोधकाच्या निर्मितीचे तीन कारखाने गुजरातमधील सुरत, आनंद आणि अहमदाबाद येथे सुरू करण्यात आले आहेत. हे नॉईस बॅरियर बुलेट



मनोर : बुलेट ट्रेनच्या मार्गात प्रशासनाकडून ध्वनिरोधक बसविण्यात येत आहेत.

ट्रेन आणि सिव्हिल स्ट्रक्चरद्वारे निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी बसण्यात आले आहेत. हे ध्वनिरोधक दोन मीटर उंचीचे कॉन्क्रीट पॅनेल आणि एक मीटर उंच अर्ध पारदर्शक पॉली कार्बोनेटचे असणार आहेत. प्रत्येक नॉईस बॅरियरचे वजन सुमारे ८३०-८४० किलो आहे. बुलेट ट्रेन घावताना उत्पन्न

होणारा वायुगतिकीय ध्वनी, ट्रेनच्या खालच्या भागात रूळ आणि चाकांमुळे निर्माण होणारा आवाज यामुळे परावर्तित केला जाईल. ध्वनिरोधकाचे अरेखन (डिझाईन) करताना बुलेट ट्रेनमधील प्रवाशांना बाहेरील दृश्य पाहताना अडथळा येणार नाही याची दक्षता घेण्यात आली आहे.

Bullet train is on its way soundproof...

बुलेट ट्रेनचा मार्ग होतोय ध्वनिप्रतिरोधक...

ध्वनिप्रदूषणापासून संरक्षणासाठी उपाययोजना

लोकमत न्यूज नेटवर्क
मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या ८७.५ किमी मार्गावर एक लाख ७५ हजार ध्वनी अवरोधक (साउंड बॅरियर्स) बसविण्याचे काम पूर्ण झाले आहे. प्रकल्पातील गुजरात भागात हे साउंड बॅरियर्स बसविण्यात आले आहेत.

हे साउंड बॅरियर्स सुरत, आणंद आणि अहमदाबादमधील कारखान्यांत बनविले आहेत. साउंड बॅरियर्सचे वजन सुमारे ८३० ते ८४० किलो असून, ते रुळांपासून २ मीटर उंचीवर आणि १ मीटर रुंदीवर बसविण्यात आले आहेत. बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील व्हायडक्टच्या दोन्ही बाजूस हे बॅरियर्स बसविले आहेत. नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशनच्या वतीने मुंबई-अहमदाबाद दरम्यान ५०८ किमीचा बुलेट ट्रेन प्रकल्प प्रगतिपथावर आहे. या प्रकल्पाच्या ४६५ किमी मार्गावर साउंड बॅरियर्स बसविण्यात येणार आहेत. त्यात महाराष्ट्रातील १२४ किमी, तर गुजरात आणि दादरा-नगर हवेलीमधील ३४० किमीच्या व्हायडक्टचा समावेश आहे.



उपयोग काय?

- साउंड बॅरियर्स ध्वनी प्रदूषण रोखण्यात महत्त्वाची भूमिका बजावतात.
- हे साउंड बॅरियर्स ३५० किलोमीटर प्रतितास वेगाने धावणाऱ्या ट्रेनमुळे होणाऱ्या आवाजाला रोखतील.
- साउंड बॅरियर्समुळे या मार्गिकेच्या परिसरातील मानवी वसाहती आणि जैवविविधतेचे ध्वनिप्रदूषणापासून रक्षण करतील.
- निवासी आणि शहरी भागातून जाणाऱ्या मार्गिकेवर बसविण्यात येणाऱ्या साउंड बॅरियर्सची उंची ३ मीटर असेल.
- हे बॅरियर्स पॉली कार्बोनेटचे असतील. ते पारदर्शक असल्याने प्रवाशांना निसर्ग पाहता येईल.

Sound barrier support to avoid noise pollution of bullet trains

बुलेट ट्रेनचे ध्वनिप्रदूषण टाळण्यासाठी ध्वनी अवरोधकाचा आधार

मुंबई-अहमदाबाद ५०८ किमीवर बसविले १ लाख ७५ हजार ध्वनी अवरोधक



◆ मुंबई (प्रतिनिधी):

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनमुळे ध्वनिप्रदूषण होऊ नये यासाठी या मार्गावर ध्वनी अवरोधक बसवण्यात आले आहेत. या मार्गावरील ५०८ किमी अंतरापैकी आतापर्यंत ८७.५ किमी परिसरात १ लाख ७५ हजार

ध्वनी अवरोधकाचे वजन ८३० ते ८४० किलो : ध्वनी अवरोधक सुरत, आनंद आणि अहमदाबाद येथील कारखान्यात तयार करण्यात आले आहेत. रेल्वे पातळीपासून २ मीटर उंच आणि १ मीटर रुंद काँक्रीटच्या पॅनेल स्वरूपात ते आहेत. प्रत्येक ध्वनी अवरोधक अंदाजे ८३०-८४० किलो वजनाचा आहे. ध्वनी अवरोधकामुळे ध्वनिप्रदूषण कमी होण्यास मदत होणार आहे, असे नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडकडून (एनएचएसआरसीएल) सांगण्यात आले.

ध्वनी अवरोधक बसविण्यात आले आहेत.

बुलेट ट्रेन खाडी भाग, डोंगराळ प्रदेश, नागरी वस्तीमधून जाणार आहे. बुलेट ट्रेन नागरी भागातून जात

असताना प्रचंड ध्वनिप्रदूषण होण्याची शक्यता आहे. बुलेट ट्रेन व रुळाच्या घर्षणामुळे होणाऱ्या कर्कश आवाजाने मानवी आरोग्यावर परिणाम होण्याची शक्यता आहे.

Over 1.75 lakh noise barrier installed on Bullet Train / Viaduct 2 meter high and 1 meter wide concrete panel installed near rail level near Anand

બુલેટ ટ્રેન | વાયડક્ટ પર 1.75 લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર લગાવાયા આણંદ નજીક રેલ સ્તરથી 2 મીટર ઉંચી અને 1 મીટર પહોળી કોંક્રિટ પેનલ લગાવાઈ



મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન કોરિડોર પર નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવાનું કામ ચાલી રહ્યું છે. અત્યાર સુધીમાં 87.5 કિમી વિસ્તારમાં નોઈઝ બેરિયર લગાવવામાં આવ્યા છે. આ મોડ્યુલર તત્વ માટે 6 પ્રિ-કાસ્ટ ફેક્ટરીઓ સુરત, વડોદરા, આણંદ અને અમદાવાદમાં સ્થાપવામાં આવી છે. ઘોંઘાટના અવરોધતી રેલ સ્તરથી 2 મીટર ઉંચી અને 1 મીટર પહોળી કોંક્રિટ પેનલ છે. દરેક અવાજ અવરોધનું વજન આશરે 830-840 કિગ્રા છે. આ ટ્રેન દ્વારા ઉત્પાદિત એરોડાયનેમિક ધ્વનિ અને ટ્રેનના નીચેના ભાગ, મુખ્યત્વે પાટા પર ચાલતા પૈડાંઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબિંબિત કરવામાં અને વિતરિત કરવામાં મદદ કરે છે.

1.75 lakh transparent 'noise barriers' were installed to stop the sound of bullet trains



બુલેટ ટ્રેનના અવાજને રોકવા ૧.૭૫ લાખ પારદર્શક 'નોઈઝ બેરિયર્સ' લગાવવામાં આવ્યા

સુરત, તા.૧૦ અમદાવાદ અને મુંબઈ વચ્ચે ચાલી રહેલું બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનું કામ પૂરજોશ ગતિએ આગળ વધી રહ્યું છે. આ હાઈસ્પીડ ટ્રેન જ્યારે શરૂ થશે ત્યારે ઉદ્ભવતા અવાજને ઘટાડવા માટે બુલેટ ટ્રેન રૂટ પર નોઈઝ બેરિયર્સ (અવાજ અવરોધ સિસ્ટમ) લગાવવાનું કામ શરૂ કર્યું છે. ગુજરાતમાં 1.75 લાખ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવ્યા છે.

નોઈઝ બેરિયર્સના નિર્માણ માટે અમદાવાદ, વડોદરા, સુરત અને આણંદમાં મોડ્યુલર એલીમેન્ટ માટે કુલ 6 પ્રિકાસ્ટ ફેક્ટરી સ્થાપવામાં આવી છે. જ્યારે બુલેટ ટ્રેન સેવા શરૂ થશે ત્યારે ટ્રેન અને સિવિલ સ્ટ્રક્ચર દ્વારા ઉદભવતા અવાજને ઘટાડવા માટે આ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવ્યા છે. નોઈઝ બેરિયર્સ રેલવે સ્તરથી 2 મીટર ઉચા અને 1 મીટર પહોળા કોંક્રીટ પેનલ હોય છે. પ્રત્યેક

નોઈઝ બેરિયરનું વજન લગભગ 830-840 કિ.મી. હોય છે. આ ટ્રેન દ્વારા ઉત્પન્ન થતાં એરોડાયનેમિક ધ્વનિ અને ટ્રેનના નીચેના ભાગ, મુખ્યત્વે પાટા પર ચાલતા પૈડાઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પરિવર્તિત અને વિતરિત કરવામાં મદદરૂપ થાય છે. આ નોઈઝ બેરિયર્સને એ રીતે ડિઝાઈન કરવામાં આવ્યા છેકે, તેનાથી ટ્રેનમાં મુસાફરી કરી રહેલા મુસાફરોને બહારના દ્રશ્યો નિહાળવામાં કોઈપણ પ્રકારનો અવરોધ નહીં આવે. રહેણાંક વિસ્તાર અને શહેરી વિસ્તારમાંથી પસાર થતાં વાયડક્ટમાં 3 મીટરની ઉચાઈના નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવશે. 2 મીટરની કોંક્રીટ પેનલ ઉપરાંત વધારના 1 મીટરના નોઈઝ બેરિયર્સ પોલીકાર્બોનેટ અને પારદર્શક હશે. આગામી સમયમાં સુરત-બિલિમોરા ટ્રાઈલ માટે ઝડપથી કામ કરવામાં આવી રહ્યું છે.

1.75 lakh barriers were put up to avoid the noise of bullet trains

બુલેટ ટ્રેનનો ઘોંઘાટ ટાળવા 1.75 લાખ બેરિયર મુકાયાં

એજન્સી | નવી દિલ્હી

અમદાવાદ-મુંબઈની વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન 320 કિમી પ્રતિ કલાકની ઝડપે દોડશે, પરંતુ આસપાસ વસતા લોકોને તેનો જરા પણ ઘોંઘાટ નહીં સંભળાય. નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન વાયડક્ટ પર ખાસ ટેકનિકવાળા નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવી રહ્યું છે.

કોર્પોરેશન મુંબઈ અને અમદાવાદની વચ્ચે 508 કિમી લાંબી ભારતની પહેલી હાઈ સ્પીડ રેલ લાઈનનું નિર્માણ કરી રહી છે. બુલેટ ટ્રેનના ઘોંઘાટથી આસપાસના લોકો હેરાન ન થાય એ માટે અત્યાર સુધી 87.5 કિમીમાં નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાઈ ચૂક્યા છે. ગુજરાતમાં 1.75 લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે. એક કિમીના અંતરમાં વાયડક્ટના બંને તરફ 2000 નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે.

1.75 lakh barriers were put up to avoid the noise of bullet trains

બુલેટ ટ્રેનનો ઘોંઘાટ ટાળવા 1.75 લાખ બેરિયર મુકાયાં

એજન્સી | નવી દિલ્હી

અમદાવાદ-મુંબઈની વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન 320 કિમી પ્રતિ કલાકની ઝડપે દોડશે, પરંતુ આસપાસ વસતા લોકોને તેનો જરા પણ ઘોંઘાટ નહીં સંભળાય. નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન વાયડક્ટ પર ખાસ ટેકનિકવાળા નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવી રહ્યું છે.

કોર્પોરેશન મુંબઈ અને અમદાવાદની વચ્ચે 508 કિમી લાંબી ભારતની પહેલી હાઈ સ્પીડ રેલ લાઈનનું નિર્માણ કરી રહી છે. બુલેટ ટ્રેનના ઘોંઘાટથી આસપાસના લોકો હેરાન ન થાય એ માટે અત્યાર સુધી 87.5 કિમીમાં નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાઈ ચૂક્યા છે. ગુજરાતમાં 1.75 લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે. એક કિમીના અંતરમાં વાયડક્ટના બંને તરફ 2000 નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે.

1.75 lakh barriers were put up to avoid the noise of bullet trains

બુલેટ ટ્રેનનો ઘોંઘાટ ટાળવા 1.75 લાખ બેરિયર મુકાયાં

એજન્સી | નવી દિલ્હી

અમદાવાદ-મુંબઈની વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન 320 કિમી પ્રતિ કલાકની ઝડપે દોડશે, પરંતુ આસપાસ વસતા લોકોને તેનો જરા પણ ઘોંઘાટ નહીં સંભળાય. નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન વાયડક્ટ પર ખાસ ટેકનિકવાળા નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવી રહ્યું છે.

કોર્પોરેશન મુંબઈ અને અમદાવાદની વચ્ચે 508 કિમી લાંબી ભારતની પહેલી હાઈ સ્પીડ રેલ લાઈનનું નિર્માણ કરી રહી છે. બુલેટ ટ્રેનના ઘોંઘાટથી આસપાસના લોકો હેરાન ન થાય એ માટે અત્યાર સુધી 87.5 કિમીમાં નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાઈ ચૂક્યા છે. ગુજરાતમાં 1.75 લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે. એક કિમીના અંતરમાં વાયડક્ટના બંને તરફ 2000 નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે.

Many works of bullet train's 'noise blocker' completed..

બુલેટ ટ્રેનના ' અવાજ અવરોધક ' ની ઘણી કામગીરી પૂર્ણ..



બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં અનેક કામો પ્રથમવાર કરાઈ રહ્યાં છે, જેમાં એક નોઈઝ બેરિયર (અવાજ અવરોધક) પણ છે. જેના થકી ઉત્પન્ન થનાર અવાજને ઘટાડવાનો છે. હાલ સુધીમાં સમગ્ર પ્રોજેક્ટમાં 87 કિમીના અવાજ અવરોધક લગાવવાનું કામ પૂર્ણ થયું છે, જેમાં અહીંના નવસારી જિલ્લામાં પણ ઘણી કામગીરી પૂરી પણ થઈ ગઈ છે.

Bullet train with over 1.75 lakh noise barriers will run at a speed of 300 kmph without noise

સાઈલેન્ટ ટ્રેન

આખા પ્રોજેક્ટમાં ટ્રેકની બંને તરફ બે મીટર ઊંચા કોંક્રિટ પેનલના બેરિયર લગાવાશે

બુલેટ ટ્રેનમાં મુસાફરોને સામાન્ય ટ્રેન જેવો ઘોંઘાટ નહીં આવે, 1.75 લાખ નોઈઝ બેરિયર લગાવાયાં



નવગુજરાત સમય > સુરત

અરબી સમુદ્રની નીચે પાણીની વચ્ચે ટનલ

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનું કામ 'બુલેટ'ની ઝડપે આગળ વધી રહ્યું છે. એલિવેટેડ રેલવે ટ્રેકની કામગીરી સાથે મુંબઈ પાસે અરબી સમુદ્રની નીચે પાણીની ઉંડાણમાં ટનલ બનાવવાનું કામ પણ ચાલી રહ્યું છે. હાલમાં જ નવસારી જિલ્લાની કાવેરી નદી પર બુલેટ ટ્રેન માટેના પુલનું નિર્માણ કાર્ય પૂર્ણ થયું છે. ગુજરાતમાં આકાર પામનારા 20 ક્ષિત્રમાંથી 11 નદીઓ પરના ક્ષિત્રનું કામ પૂર્ણ થયું છે. સપ્ટેમ્બર 2017માં અમદાવાદમાં બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનો શિલાન્યાસ કરવામાં આવ્યો હતો.

સુરત, આણંદ અને અમદાવાદમાં સ્થાપવામાં આવી છે. ટ્રેનના ઓપરેશન દરમિયાન ટ્રેન અને સિવિલ સ્ટ્રક્ચર્સને કારણે ઉત્પન્ન થતા અવાજને ઘટાડવા માટે આ અવાજ અવરોધી(નોઈઝ બેરિયર) વાયડક્ટની બંને બાજુઓ પર સ્થાપિત કરવામાં આવી રહ્યા છે.

બુલેટ ટ્રેનના મુસાફરોને સામાન્ય ટ્રેન દોડે ત્યારે જે ઘોંઘાટ સંભળાય તે નહીં લાગશે. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના આગળ ધપી રહેલા કામમાં અવાજના અવરોધને દૂર કરવા માટે નોઈઝ બેરિયર લગાવાય રહ્યાં છે. બુલેટ ટ્રેનના વાયડક્ટ પર 1,75,000 થી વધુ અવાજને અવરોધતા નોઈઝ બેરિયર કે જે કોંક્રિટની જ બે મીટર ઊંચી પેનલ હોય છે, તે લગાવી દેવાયા છે. આવા બેરિયર 560 કિલોમીટર લંબાઈમાં આખા કોરિડોર ઉપર લાગશે. ટ્રેકની બંને તરફ લાગનારી કોંક્રિટની પેનલના આ નોઈઝ બેરિયરની ખાસિયત એ હશે કે તેનાથી ટ્રેનની અંદર બેસનારા પેસન્જર્સને બહારનું દ્રશ્ય જોવામાં અડચણ રૂપ નહીં બનશે.

બુલેટ ટ્રેન સાથે સંકળાયેલા સત્તાવાર સાધનોના જણાવ્યા પ્રમાણે બુલેટ ટ્રેનમાં યાત્રિકોના પ્રવાસન અનુભવને યાદગાર બનાવવા માટે હવે બુલેટ ટ્રેનમાં નોઈઝ બેરિયર્સ લાગશે. રેલ ટ્રેકથી 2 મીટર ઊંચી અને 1 મીટર પહોળી કોંક્રિટ પેનલ અવાજને રોકશે. અત્યાર સુધીમાં મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન કોરિડોર પર 87.5 કિમી વિસ્તારમાં નોઈઝ બેરિયર લગાવી દેવાયા છે. 1,75,000થી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા છે. વાયડક્ટની બંને બાજુએ પ્રત્યેક કિલોમીટરમાં 2000 નોઈઝ બેરિયર્સ લાગ્યા છે.

આ નોઈઝ બેરિયર્સ રેલવે ટ્રેકના લેવલથી 2 મીટર ઊંચા અને 1 મીટર પહોળા છે. આ એક કોંક્રિટની પેનલ જ છે. દરેકનું વજન આશરે 830-840

કિલોગ્રામ છે. આ ટ્રેન દોડે ત્યારે હવા કપાય એટલે કે એરોડાયનેમિક ધ્વનિ અને પાટા પર ચાલતા પૈડાંઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબંધિત કરવામાં અને દૂર કરવામાં આ બેરિયર મદદ કરે છે. તેને એવી રીતે ડિઝાઇન કરવામાં આવ્યાં છે કે, તેઓ ટ્રેનમાં બેઠેલા મુસાફરોને કોઈ ઘોંઘાટલક્ષી તકલીફ નહીં થવા દે. રહેણાક અને શહેરી વિસ્તારોમાંથી પસાર થતા વાયડક્ટ્સમાં 3 મીટર ઊંચા અવાજ બેરિયર્સ લગાવાશે. 2 મીટર કોંક્રિટ પેનલ્સ ઉપરાંત, વધારાના 1 મીટર નોઈઝ બેરિયર્સ 'પોલિકાર્બોનેટ' અને પારદર્શક હશે જેથી મુસાફરોને ટ્રેનમાંથી જોવા માટે કોઈ દ્રષ્ટિબાધ નહીં નડે.

આ મોડ્યુલર નોઈઝ બેરિયર બનાવવા માટે ત્રણ પ્રિકાસ્ટ ફેક્ટરીઓ

Bullet train: Noise barriers installed on ready-made viaduct in Gujarat

બુલેટ ટ્રેન : ગુજરાતની હદમાં તૈયાર વાયડક્ટ પર નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા

અત્યાર સુધીમાં ૮૭.૫ કિમી વિસ્તારમાં નોઈઝ બેરિયર ફિટ થઈ ગયા

। નવસારી ।

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના શ્રીમ પ્રોજેક્ટ મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેનના ટ્રેક માટે તૈયાર થયેલા વાયડક્ટ ઉપર ૮૭.૫ કિલોમીટર વિસ્તારમાં નોઈઝ બેરિયર લગાડી દેવામાં આવ્યા છે. અત્યાર સુધીમાં ગુજરાતની હદમાં ૧.૭૫ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવવામાં આવ્યા છે. વાયડક્ટની બંને બાજુએ એક કિલોમીટરમાં ૨૦૦૦ નોઈઝ બેરિયર્સ લાગી રહ્યા છે.

આ મોડ્યુલર તત્ત્વ માટે ત્રણ પ્રિકાસ્ટ ફેક્ટરી સુરત, આણંદ અને અમદાવાદમાં અવાજ અવરોધોના ઉત્પાદન માટે સ્થાપવામાં આવી છે. ઓપરેશન દરમિયાન ટ્રેનો અને સિવિલ સ્ટ્રક્ચર્સ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને ઘટાડવા માટે આ અવાજ અવરોધો વાયડક્ટની બંને બાજુઓ પર સ્થાપિત કરવામાં આવી રહ્યા છે. ઘોંઘાટના અવરોધો રેલ સ્તરથી ૨ મીટર ઊંચા અને ૧ મીટર પહોળા કોંક્રિટ પેનલ છે. દરેક અવાજ અવરોધનું



વજન આશરે ૮૩૦-૮૪૦ કિ.ગ્રામ છે. આ ટ્રેન દ્વારા ઉત્પાદિત એરોડાયનેમિક ધ્વનિ અને ટ્રેનના નીચેના ભાગ, મુખ્યત્વે પાટા પર ચાલતા પૈડાઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબિંબિત કરવામાં અને વિતરિત કરવામાં મદદ કરે છે. બેરિયરને એવી રીતે ડિઝાઇન કરાયા છે કે, ટ્રેનની યાત્રા વેળાં મુસાફરોને દ્રશ્યમાં

આનંદ માણવામાં કોઈ જ પ્રકારનો અવરોધ ઊભો થશે નહીં. રહેણાક અને શહેરી વિસ્તારોમાંથી પસાર થતાં ટ્રેકની બંને બાજુ ૩ મીટર ઊંચા અવાજ અવરોધો સ્થાપિત કરાશે. ૨ મીટર કોંક્રિટ પેનલ્સ અને વધારાના ૧ મીટર અવાજ અવરોધો 'પોલીકાર્બોનેટ' અને પારદર્શક હશે.

Bullet train with over 1.75 lakh noise barriers will run at a speed of 300 kmph without noise

૧.૭૫ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ લગાવાયા બુલેટ ટ્રેન ૩૦૦ કિ.મી.ની ગતિએ દોડશે પણ અવાજ નહીં આવે

અમદાવાદ, મંગળવાર

અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનું કામ આગળ ધપી રહ્યું છે. આ બુલેટ ટ્રેન ૩૨૦ કિલોમીટર પ્રતિ કલાકની દોડવાની હોવા છતાં તેનો કોઈ જ ઘોંઘાટ સંભળાશે નહીં. કેમકે, બુલેટ ટ્રેનના રૂટમાં ૧.૭૫ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર્સ (અવાજને અવરોધો) મૂકવામાં આવેલા છે.

નોઈઝ બેરિયર્સની ડિઝાઈન એવી છે કે મુસાફરોને બહારનું દ્રશ્ય જોવામાં કોઈ પણ અવરોધ નહીં આવે

આ અંગે પ્રાપ્ત માહિતી અનુસાર અત્યાર સુધીમાં ૮૭.૫ કિમી વિસ્તારમાં ૧.૭૫ લાખથી વધુ નોઈઝ બેરિયર લગાવવામાં આવ્યા છે. જેમાં વાયડક્ટની બંને બાજુએ એક કિલોમીટરના અંતરે ૨૦૦૦ નોઈઝ બેરિયર્સ છે. આ મોડ્યુલર તત્વ માટે ત્રણ પ્રીકાસ્ટ ફેક્ટરીઓ સુરત, આણંદ અને અમદાવાદમાં અવાજ અવરોધોના ઉત્પાદન માટે સ્થાપવામાં આવી છે. ઓપરેશન દરમિયાન ટ્રેનો અને સિવિલ સ્ટ્રક્ચર્સ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને ઘટાડવા માટે આ અવાજ અવરોધો વાયડક્ટની બંને બાજુઓ પર સ્થાપિત કરવામાં આવી રહ્યા છે.

ઘોંઘાટના અવરોધો રેલ સ્તરથી ૨ મીટર ઊંચા અને ૧ મીટર પહોળા કોંક્રિટ

પેનલ છે. દરેક અવાજ અવરોધનું વજન આશરે ૮૩૦-૮૪૦ કિગ્રા છે. આ ટ્રેન દ્વારા ઉત્પાદિત એરોડાયનેમિક ધ્વનિ તેમજ ટ્રેનના નીચેના ભાગ, મુખ્યત્વે પાટા પર ચાલતા પૈડાઓ દ્વારા ઉત્પન્ન થતા અવાજને પ્રતિબિંબિત કરવામાં અને વિતરિત કરવામાં મદદ કરે છે.

તેની ડિઝાઈન એવી છે કે ટ્રેનની સવારીનો આનંદ માણતા મુસાફરોના દ્રશ્યમાં અવરોધ નહીં આવે. રહેણાંક અને શહેરી વિસ્તારોમાંથી પસાર થતા વાયડક્ટસમાં ૩ મીટર ઊંચા અવાજ અવરોધો સ્થાપિત કરવામાં આવશે. ૨ મીટર કોંક્રિટ પેનલ્સ ઉપરાંત, વધારાના ૧ મીટર અવાજ અવરોધો 'પોલીકાર્બોનેટ' અને પારદર્શક હશે.

Bullet train station of Boisar is a web of spiders!

बोईसरचे बुलेट ट्रेन स्टेशन म्हणजे कोळ्यांचे जाळे !

बीकेसी-बोईसर अंतर ३६ मिनिटांत होणार पार

सुविधा

- दोन मजली स्टेशन इमारतीत लाउंज, बेटींग रूम (पेड आणि अनपेड एरिया दोन्ही), स्मोकिंग रूम, प्रथमोपचार, टॉयलेट रूम आणि पिण्याच्या पाण्याची सुविधा, लेव्हल चेंजसाठी लिफ्ट आणि एस्केलेटर, कन्कोर्स स्तरावर पेड आणि अनपेड क्षेत्रातील दुकाने ,पार्किंग, ऑटो स्टँड, स्टेशन प्लाझा, ग्रीन एरिया/ उद्याने.

बोईसर बुलेट स्थानकापासून

राज्य महामार्ग क्रमांक ३२ (बोईसर-चिल्लर फाटा)	०.३ किमी
बोईसर रेल्वे स्थानक	५.४ किमी
बोईसर एसटी डेपो	६ किमी
पालघर जिल्हाधिकारी कार्यालय	२.७किमी
दिल्ली-चेन्नई राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक ४८	१३.६ किमी

स्थानकाजवळची औद्योगिक,पर्यटन स्थळे

- बोईसर व तारापूर औद्योगिक क्षेत्र,तारापूर अणुऊर्जा केंद्र व बीएअ-रसी,वाढवण बंदर ,चिचणी बीच, नांदगाव बीच, शिरगाव बीच, केळवा बीच, डहाणू आणि बोर्डी बीच, हिरडपाडा आणि काळमांडवी घबघवा, महालक्ष्मी मंदिर.



गुजरात

साबरमती
अहमदाबाद
आनंद
वडोदरा
भरूच
सुरत
बिलीमोरा
बोईसर
विरार
ठाणे
मुंबई

नियोजित वाढवण बंदर

२३ किमी
१२० किमी



मुंबई :पुढारी वृत्तसेवा

बोईसर हे मुंबई महानगर प्रदेशातील सर्वात मोठे औद्योगिक उपनगर आहे. या औद्योगिक उपनगराला बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनशी जोडण्यात येणार आहे. बुलेट ट्रेन सुरू झाल्याने बीकेसी ते बोईसर दरम्यानचा एकूण प्रवास ३६ मिनिटांचा होणार आहे.

बोईसर स्थानक जमिनीपासून २०.९०० मीटर उंचीवर असणार असून स्थानकाला राष्ट्रीय महामार्गासह रेल्वे मार्ग आणि एक राज्य मार्गाची जोडणी देण्यात येत आहे.

मुंबई - अहमदाबाद बुलेट ट्रेनसाठी रेल्वे रुळ उभारणीच्या पायाभूत कामांसह राज्यातील स्थानकांनी आकार घेण्यास सुरुवात केली आहे. ही स्थानके स्मार्ट असणार आहेत. राज्यात सत्तांतर

झाल्यानंतर राज्यातील बुलेट ट्रेनच्या कामांनी वेग घेतला आहे. बुलेट ट्रेनच्या ५०८ किमीच्या मार्गात एकूण १२ स्थानके आहेत. त्यापैकी बीकेसी, ठाणे, विरार आणि बोईसर ही चार स्थानके महाराष्ट्रात आहेत. महाराष्ट्रातून एकूण १५६ किमी मार्गावरून बुलेट ट्रेन धावणार आहे. यातील मोठे अंतर हे मुंबई ते बोईसर १२० किलोमीटरचे असेल.

बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनच्या दर्शनी भागाचे डिझाइन या भागातील कोकणी मच्छीमारांकडून वापरल्या जाणाऱ्या मासेमारी जाळ्यांपासून प्रेरित आहे. हा परिसर व्यावसायिक मच्छीमारांचा असल्याने मच्छीमारांचे जाळे केंद्रस्थानी ठेवून तसा आकार या स्थानकास देण्यात येईल. त्यानुसार या स्थानकाचा आराखडाही प्रसिद्ध झाला आहे.